

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] वर्ष दिल्ली, शरिवार, फर्वरी 14--फर्वरी 20, 2004 (भाव 25, 1925) No. 7]NEW DELIII, SATURDAY, FEBRUARY 14 - FEBRUARY 20, 2004 (AAGHA 25, 1925)

इस माग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

| स्ता 1—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) नारत तरकार के मंत्राजयों और उच्वतन त्यायालय द्वारा नारों की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा निकल्पों से संबंधित अधिमूचनाएं साग 1—खण्ड 2—(रक्षा नंतालय को छोड़कर) मारत नरकार के मंत्राजयों और उच्वतन त्यायालय द्वारा को गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा नरकार के पंत्रातयों और अध्वत्यालय द्वारा जारों को गई वरकारों अधिकारियों हो नियुक्तियों, यदोन्तियों, हुट्टियों आदि के संबंध में अधिमूचनाएं साग 1—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारों को गई वरकारों अधिकारियों हो नियुक्तियों, यदोन्तियों, हुट्टियों आदि के संबंध में अधिमूचनाएं साग 1—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारों को गई माग 11—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारों को गई माग 11—खण्ड 1—अविनियमों, अध्वादेशों और विनियम साग 11—खण्ड 1—अविनियमों, अध्वादेशों और विनियम साग 11—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्वादेशों और विनियम साग 11—खण्ड 2—विवेचक तथा विधेचकों पर प्रत नेपितियों के बिल तथा रिपोर्ट साग 11—खण्ड 3—रव-खण्ड ()—भारा सरकार मंत्रावयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) आरे केट्रिय नियम की प्रतानने के प्रतानन के प्रतानन के प्रतानन के प्रतान के प्रतानन के प्रतिवन के प्रतानन के प्रतानन के प्रतानन के प्रत्नन के प्रतानन के प |
|---|
| के मंत्रालयों (तिनमें रक्षा मंत्रालय मी जारे की गई विधितर नियमों, आदेशों तथा विश्व की गई विधितर नियमों, आदेशों तथा विश्व के अगर के लिए गए सिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नितयों, लुट्टियों आदि असे संबंध में अधिसूत्रनाएं के हिन्दो प्राधिक तथा है के हिन्दो के हिन्दो प्राधिक तथा हिन्दो है के हिन्दो प्राधिक तथा है के हिन्दो प्राधिक तथा है के हिन्दो प्राधिक है के हिन्दो |
| शासि की गई बिधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा पंकरपों से संबंधित अधिमूचनाएं भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत तरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारो हो गई सरकारों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारो हो गई सरकारों अधिकारियों हो नियुक्तियों, पदोन्नितयों, कृष्ट्रियों आदि के संबंध में अधिमूचनाएं माग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारो को गई परकारों अधिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिमूचनाएं भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारो को गई मरकारों अधिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिमूचनाएं भाग II—खण्ड 1—अविनियम, अध्यादेश और विनियम भाग II—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियम कामा II—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियम कामा II—खण्ड 2—विमेयक तथा विधेयकों पर प्रमा III—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भार। सरकार न मंत्रावयों (रक्षा मंत्रावय को छोड़कर) और केन्द्रोय प्रायि- हरणों (नंच शासित वेशों के प्रमाननों को छोड़कर) द्वारा स्वा III—खण्ड 3—वुक्य आयुक्तों के प्रायिकार न मंत्रावयों (रक्षा मंत्रावय को छोड़कर) और केन्द्रोय प्रायि- हरणों (नंच शासित वेशों के प्रमाननों को छोड़कर) द्वारा स्वा III—खण्ड 3—वुक्य अधिमूचनाएं भाग III—खण्ड 3—वुक्य आयुक्तों के प्रायिकार क्रियों वारा जारी की गई अधिमूचनाएं भाग III—खण्ड 3—वुक्य आयुक्तों के प्रायिकार क्रियों वारा जारी की गई अधिमूचनाएं भाग III—खण्ड 3—वुक्य आयुक्तों के प्रायिकार क्रियों वारा जारी की गई अधिमूचनाएं भाग III—खण्ड 3—वुक्य आयुक्तों के प्रायिकार क्रियों (रक्षा मंत्रावय को छोड़कर) और केन्द्रोय प्रायिकार क्रियों वारा जारी की गई अधिमूचनाएं भाग III—खण्ड 3—वुक्य आयुक्तों के प्रायिकार क्रियों वारा जारी की गई अधिमूचनाएं भाग III—खण्ड 3—वुक्य अधिक्रालयों के प्रायिक्त विवा अधिक्र वारा जारी की गई परेटें और विज्ञाइनों के प्रायिकार क्रियों के प्रायिकार |
| पंकर्षों से संबंधित अधिसूबनाएं '''' ''' '''' '''' ''''' ''''''' '''''' |
| भाग 1—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत तरकार के मंत्रातयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी हो गई सरकारी अधिकारियों हो नियुक्तियों, यदोन्नितयों, कुट्टियों आदि के संबंध में अधियुक्ताएं '' '' '' '' '' '' '' '' '' '' '' '' '' |
| नरकार के मंतातमों और उचनतम न्यायालय द्वारा नारी की गई सरकारो अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नितियों, कृष्टियों आदि के संबंध में अधिसूननाएं ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' |
| हो गई सरकारो अधिकारियों हो नियुक्तियों, यदोन्नितयों, वृद्धियों आदि के संबंध में अधिपूक्ताएं ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' |
| जुद्ध्यों आदि के संबंध में अधिसूवनाएं '' 155 मारत के राजपन्न के खण्ड 3 था खण्ड 4 म प्रकाशित होते हैं) '' काम I—खण्ड 3—रक्षा मंनालय द्वारा जारी किए गए सकल्यों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूवनाएं ' माग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रात्रय द्वारा जारी को गई माग III—खण्ड 1—उच्च यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेना आयोग, रेज माग III—खण्ड 1—अतिनियम, अध्यादेश और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेना आयोग, रेज विभाग और मारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी को गई अधिसूवनाएं ' ' 113 माग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्जिय द्वारा जारी को गई अधिसूवनाएं ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' |
| माग [—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिमूननाएं भाग [—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी को गई मरकारी अधिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिमूननाएं भाग [[—खण्ड 1—अविनियम, अध्यादेश और विनयम भाग [[—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनयम कार्यालयों द्वारा जारी को गई अधिमूननाएं को गई पेटेंटों और विज्ञाइनों से सम्बन्धित अधिमूननाएं और नोटिस '' अधीन अथवा द्वारा जारी को गई अधिमूननाएं को अधीन अथवा द्वारा जारी को गई अधिमूननाएं को अधीन अथवा द्वारा जारी को गई अधिमूननाएं को अधीन अथवा द्वारा जारी को गई अधिमूननाएं कार्यालयों (रक्षा मंत्रानय को छोड़कर) और केन्द्रोय प्राधिन कार्यालयों द्वारा जारी को गई अधिमूननाएं किन स्वालयों (रक्षा मंत्रानय को छोड़कर) द्वारा जारा को गई अधिमूननाएं किन स्वालयों (रक्षा मंत्रानय को छोड़कर) द्वारा जारा को गई अधिमूननाएं |
| संकल्पों और असंविधिक आदेशों के संबंध में अधियूननाएं * प्राप 1—खण्ड 4—रक्षा मंत्राजय द्वारा जारो की गई मरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों जादि के सम्बन्ध में अधिनूननाएं 121 भाग 11—खण्ड 1—अिनियम, अध्यादेश और महालेखा गरीक्षक, संघ लोक सेना आयोग, रेल किनियम * किनियम केनियम में अधिकृत पाठ * किनियम * किनियम * किनियम * किनियम * किनियम केनियम में अधिकृत पाठ * किनियम केनियम में अधिकृत पाठ * किनियम * किनियम केनियम में अधिकृत पाठ * किनियम . |
| भाग ।—खण्ड 4—रक्षा मंत्रात्र द्वारा नारी को गई मरकारी अधिकारियों को नियुक्तियों, पदोन्नितयों, छुट्टियों ग्राद के सम्बन्ध में अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध में अधिनुत वाठ ग्राद के माग ।।।—खण्ड 2—पेटेंट का निय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और विज्ञाइनों से सम्बन्धित अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध के प्राद के प्राद के प्राधिकार के अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध के प्राधिकार के अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध के प्राधिकार के अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध में अधिनुत वाठ ग्राद के सम्बन्ध के सम्बन्ध के प्राधिकार के अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध के स्वाद के सम्बन्ध के प्राधिकार के अधिनुत्वराएं ग्राद के सम्बन्ध के स्वाद के स्वद |
| माग III—खण्ड 1—उच्च त्यायालयों, नियंतक और महाने वा गरीक्षक, संघ लोक मेवा आयोग, रेल कामण II—खण्ड 1—अिविनयन, अध्यादेश और नहाले वा गरीक्षक, संघ लोक मेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी को गई अधिमूचनाएं ' 113 माग III—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और माग III—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर माग III—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर माग III—खण्ड 3—वुध आयुक्तां के प्राधिकार कार्यालयों (रक्षा मंत्रावय को छोड़ कर) और केन्द्रोय प्राधिकार विभाग में प्राधिकार विभाग से अधिमूचनाएं माग III—खण्ड 3—वुध आयुक्तां के प्राधिकार कार्यालयों (रक्षा मंत्रावय को छोड़ कर) और केन्द्रोय प्राधिकार माग III—खण्ड 4—विविध अधिमूचनाएं माग III—खण्ड 4—विविध अधिमूचनाएं मिन स्वाविधिक विकार द्वारा कारों को गई अधिमूचनाएं माग III— चण्ड 4—विविध अधिमूचनाएं किन स्वाविधिक विकार द्वारा कारों को गई अधिमूचनाएं सिवाविध विकार सार्यालयों होता वारा कार्य को गई अधिमूचनाएं स्वाविधिक विकार द्वारा कार्य को गई अधिमूचनाएं स्वाविधिक विकार द्वारा कारों को गई अधिमूचनाएं स्वाविधिक विकार कारों कारो |
| भार हो सम्बन्ध में अधितूचनाएँ 121 और महालेखा 'रिश्चिक, सघ लोक सेना आयाग, रेज भाग II—खण्ड 1—अतिनियम, अध्यादेश और कार्यालयों द्वारा जारी को गई अधितूचनाएँ ' 113 भाग II—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और माग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्याजय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और बिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ की गई पेटेंटों और बिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ भाग III—खण्ड 2—विश्चेयक तथा विधेयकों पर भाग III—खण्ड 3—वृद्ध आयुक्तों के प्राधिकार माग III—खण्ड 3—वृद्ध आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिनूचनाएँ - प्राण III—खण्ड 3—वृद्ध आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिनूचनाएँ - प्राण III—खण्ड 4—विविध अधिनूचनाएँ विना साविधिक विजाव द्वारा जारा को गई अधिनुचनाएँ विजाव द्वारा जारा को गई अधिनुचनाएँ विजाव द्वारा जारा को गई अधिक द्वारा जारा को गई अधिक द्वारा जारा को गई अधिनुचनाएँ विजाव द्वारा जारा को गई अधिनुचनाएँ विजाव द्वारा जारा को गई अधिनुचनाएँ विजाव द्वारा जारा को गई अधिनुचना विधिक विजाव द्वारा जारा विधिक विध |
| भाग II—खण्ड 1—अितनियन, अध्यादेश और विभाग और भारत सरहार स सम्बद्ध और अधानस्थ कार्यालयों द्वारा जारी को गई अित्र स्वनाएं '' 113 भाग III—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और माग III—खण्ड 2—पेटेंट का जिन्न द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस "' 361 प्राय नियातियों के बिल तथा रिपोर्ट "माग III—खण्ड 3—पुत्र आयुक्तों के प्राधिकार माग III—खण्ड 3—पुत्र आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधि तुक्ताएं "- माग III—खण्ड 4—विविध अधि तुक्ताएं जिता संविधिक विजादों द्वारा जारा हो गई अधि तुक्ताएं जिता साविधिक विजादों द्वारा जारा हो गई अधि तुक्ताएं जिता साविधिक विजादों द्वारा जारा हो गई अधि तुक्ताएं जिता साविधिक विजादों द्वारा जारा हो गई अधि तुक्ताएं जिता साविधिक विजादों द्वारा जारा हो गई अधि तुक्ताएं जिता साविधिक विजादों द्वारा जारा हो गई अधि तुक्ताएं |
| कार्यालयों द्वारा जारी को गई अधिमुननाए '' 113 भाग 11—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनयमों का हिन्दी भाषा में शिधिकृत पाठ '' की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिमुननाएं भाग 11—खण्ड 2—विश्रेयक तथा विधेयकों पर प्रवर निमित्त्रों के बिल तथा रिपोर्ट '' अरेर नेट्रोय शिकार भाग 11—खण्ड 3—वुध आयुक्तों के प्राधिकार भाग 111—खण्ड 3—वुध आयुक्तों के प्राधिकार साग 111—खण्ड 3—वुध आयुक्तां के प्राधिकार |
| भाग II—खण्ड 1 क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधि हत पाठ : * की गई पेटेंटों और विज्ञाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं भाग II—खण्ड 2—विश्रेयक तथा विधेयकों पर प्रवर नियतियों के बिल तथा रिपोर्ट : * भाग III—खण्ड 3—न् वुच आयुक्तों के प्राधिकार भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—नारा सरकार माग III—खण्ड 3—विश्रेय अधि पूचनाएं : प्रवातियों (रक्षा मंत्रात्रय को छोड़ कर) और केन्द्रोय प्राधि- रुर्गों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशातनों को छोड़ कर) द्वारा साविधिक विज्ञा द्वारा जारा को गई अधि पूचनाएं विना |
| वितयमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ की गई पेटेंटों और बिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं भाग 11—खण्ड 2—विश्रेयक तथा विधेयकों पर श्रीर नोटिस |
| भाग 11—खण्ड 2—विश्रेयक तथा विधेयकों पर प्रवर निमित्तयों के बिल तथा रिपोर्ट * भाग 111—खण्ड 3—न्वुब आयुक्तों के प्राधिकार भाग 11—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—नारा सरकार न मंत्रातयों (रक्षा मंत्रातय को छोड़ कर) और केन्द्रोय प्राधिकार करणों (संघ जासित क्षेत्रों के प्रगातनों को छोड़ कर) द्वारा सांविधिक निकार्य द्वारा जारी को गई अधितूबनाएं निका |
| प्रवर निमितियों के बिल तथा रिपोर्ट * भाग !!!—खण्ड 3—न्वुब आयुक्त के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधि पूवनाएं — के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधि पूवनाएं — के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधि पूवनाएं निनः कर्णों (नंघ शासित क्षेत्रों के प्रशानों को छोड़ हर) द्वारा सांविधिक िकार्य द्वारा अरा को गई अधि पूवनाएं |
| क्याग IIखण्ड 3उप-खण्ड (i)भारत सरकार के अधान प्रयथा द्वारा जारा का गई अधि तूननाए न मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़ हर) और केन्द्रोय प्राचि- तरणों (संघ गासित क्षेत्रों के प्रगातनों को छोड़ हर) द्वारा सांविधिक िहार्यो द्वारा गरा हो गई अधि तूननाए |
| त मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़ हर) और केन्द्रोय श्राबि- भाग III छण्ड 4विविध अधि रूवनाएं जिनाः तरणों (संघ ग्रासित क्षेत्रों के प्रगातनों को छोड़ हर) द्वारा सांविधिक िहार्योद्धारा गरा हो गई अधि रूवनाए |
| हरणों (संघ ग्रासित क्षेत्रों के प्रगातनों हो छोड़ हर) द्वारा सार्वाधिक । कार्य द्वारा गर्स हो गर्द आध्यतुक्ताए |
| |
| ाको क्रिया ग्रह्म नाविधिक निरम (जिनमें नामान्य आदेश, निजायन और नोटिय शामिन हैं ** ** 265 |
| ारो किए गए तानान्य सांविधिक निरम (जिनमें गामान्य आदेश, निजान और नोटिन शामिज हैं '' ' 265 न्वरूप के बादेश और उपविधियां आदि भो शामिन हैं) ' * माल 1V—नैरन्नर हारी व्यक्तियां और गैर- |
| भार II अण्ड 3 उर बण्ड (II) नारा रहार के सरकारो निकार्ये द्वारा जारी किए गए विश्वापत और |
| नान्यां (रक्षा नंतान्य को छोड़कर) और कन्द्रांय प्राधि- नोटिन व्य |
| हरणां (संघ गासित क्षेत्रों हे प्रशासनां को क्षोड़ कर) द्वारा भाग V-अग्रे वा और हिन्दी दोनों में "अन्म और |
| हरणा भूमव गाम्बत अन्या र प्रसार में स्वाहित सार्व के अधि प्रसार महास्व के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्बूरक |

CONTENTS

| P | ge | Page | |
|--|---|--|--|
| PARI 1-SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of | PART II—SECTION 3—SUB-SECTION texts in Hindi (other than s in Section 3 or Section 4 India) of General Statutory Orders (including Bye-laws ter) issued by the Ministries of India (including the Mi and by the Central Auth Administration of Union T | of the Gazette of Rules & Statutory of a general charac- of the Government mistry of Defence) orities (other than | |
| PART 1—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence | PART II—SECTION 4—Statutory Rules by the Ministry of Defense * | and Orders issued | |
| PART ! SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence] | Courts, the Comptroller an Union Public Service Com | PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General. Union Public Service Commission, the Indian | |
| PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi | Government Railways and by ordinate Offices of the India. | Government of 113 | |
| language of Acts, Ordinance and Regulations | PART III—SECTION 2—Notifications by the Patent Office, relati | | |
| FART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills | Designs • | 361 | |
| The Suction 3—Sub-Section (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of successi character issued by the Ministries of the | PART III—SECTION 3—Notifications the Authority of Chief Con | | |
| Government of India (other than the Ministry of Detence) and by the Central Authorities (other man the Administration of Union Territories) | PART III—Section 4—Miscellaneous cluding Notifications, Ord | ers, Advertisements | |
| HART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other | Part IV—Advertisements and Notice and viduals and Private Bod | | |
| than the Administration of Union Territo- | * Deathe etc. both in English | | |

PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय दारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग) नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 2004

संकल्प

विषयः कांचीपुरम, तमिलनाडु में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और वितिमणि संस्थान की स्थापना।

सं० एक० 15-1/2003 टी एस-1—वैश्वीकरण से पूरे विश्व में उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं में एकरूपता आई है। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की वजह से घरेलू बाजार के लिए भी हमारे निर्माताओं को विश्व बाजार से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। इसके परिणामतः अग्रणी प्रौद्योगिकी/गुणवत्ता और अनिवार्यता कम लागत वाले अच्छे उत्पाद अपेक्षित होंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त रूप से प्रणिक्षित जन शक्ति महत्वपूर्ण है। उच्च विकान और प्रौद्योगिकी विशेष रूप से डिजाइन और विनिर्माण के क्षेत्र में निर्धारित उक्त उल्लिखित कौशल से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, भारत सरकार ने तिमलनाडु के कांचीपुरम में भारतीय सूचना प्रोद्योगिकी डिजाइन और विनिर्माण संस्थान स्थापित करने का निर्णय लिया है।

- 2. यह संस्थान अपने शैक्षिक कार्यक्रम सत्र 2004-2005 से सुरू करेगा।
- 3. संस्थान के अवर स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिते केन्द्रीय माष्ट्रयमिक शिक्षा वोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रदेश इंजीनियरी परीक्षा-2004 के आधार पर किए आएंगे।

आदेश

यादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति तिमलनाडु सरकार को भेजी जाए ।

बादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय और मंत्रीमंडल सचिवालय को भेजी जाए।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति विष्वविद्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा प्रिषद और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को भेजी जाए ।

्यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को वृहद प्रकार हेत् प्रैस सूचना ब्यूरो में भी भेजा जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना हेतु इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए। बी० एस० पाण्डेय, संबक्त सचिव

दिनांक 3 फरवरी 2004

संकल्प

विषय : जबलपुर, मध्यप्रदेश में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन और विनिर्माण संस्थान की स्थापना ।

सं० एफ 26-1/2003 टी एस-1-वैश्वीकरण से पूरे विश्व में उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं में एक रूपता आई है। भारतीय अर्थ व्यवस्था के उदारीकरण की वजह से घरेलू बाजार के लिए भी हमारे निर्माताओं को विश्व बाजार से प्रतिस्पद्धी करनी पड़ती है। इसके परिणामतः अग्रणी प्रौद्योगिकी/गुणवत्ता और अनिवार्यता कम लागत वाले अच्छे उत्पाद अपेक्षित होंगे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उपपुक्त रूप से प्रशिक्षित जन शक्ति महत्वपूर्ण है। उच्च विज्ञान और प्रौद्योगिकी विशेष रूप से डिजाइन और विनिर्माण के क्षेत्र में निर्मारित उक्त उल्लिखित कौंशल से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, भारत सरकार ने मध्य प्रदेश के जबलार में भारतीय सुचना प्रौद्योगिकी डिजाइन और विनिर्माण से संवर्भ से सारतीय सुचना प्रौद्योगिकी डिजाइन और

- 2. यह संस्थान अपने भैक्षिक कार्यक्रम सत 2004-05 से गरू करेगा।
- 3. संस्थान के अवर स्तातक पाठ्यकर्तों में दाखिले केन्द्रीय माध्यामक सिक्षा बोड़े, तई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतोग प्रवेश इंजीतियरी परीक्षा-2004 के आद्यार पर किए जाएंगे।

आदेश

आदेश विधा जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति मध्य प्रदेश सरकार को भेजी जाए।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालयं और मंत्रीमंडल सचिवालयं को भेजी जाए। आदेण दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति विश्व-विद्यालय अद्दान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिवड के कियो न ज्यानिक शिक्षा बोर्ड को भेजी जाए।

यह की अहंग दिया काता है कि इस लंबरण की बृहद प्रचार है किए पान व्यारों में भी भेजा जाए।

यह भी करोत (दया जाता है कि सामान्य शुक्ता हेतु इस मंतन्य के आपट के शावपदा में प्रकाणित विधा जाए ।

> वी० एस० पाण्डेय संयूक्त सचिव

खान मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांकः

स्य 4/1/2003-एम II(एस एम)—भारत सरकार खान मंत्रालय की अधिसूचना संय 4/1/2003 जिसे दिनांक 14 जून 2003 को भारत के अप्ताद्यारग राजपत्र के भाग-I, खंड-I में प्रकारित किशागशा था, केखीय सरकार एत३ द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती हैं :—

- (क) नियम [में "वर्ष II (केन्द्रीय भूजल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय में पद)", शीर्षक के अंतर्गत निम्नलिखित प्रविष्ठ को हटाया जाता है।
 - ''(i) कनिष्ठ-भू-जलविज्ञानी (वैज्ञानिक ख), ग्रुप ''क''।''
- (स) क्रिनिष्ठ भू-जलविज्ञानी (वैज्ञानिक ख), ग्रुप "क" से संबंधित अन्य प्रविष्टियां जोकि नियमावली के भिन्नभिन्न भागों में प्रकाणित की गयी, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है, को भी हटाया जाता है :—
 - (i) नियम/वली 6(ख)
 - (ii) परिशिष्ट il-पैरा 6
 - (iii) परिभिष्ट III-पैरा 2(1)(क) से (च)
- (ग) नियमावली के प्रचलित नियम 14 को निम्नलिखित नियम 14 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है :---
- 14 (1) साक्षात्कार के बाद, परीक्षा में प्रत्येक उम्भीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर आयोग द्वारा उम्भीदवारों को योग्यताक्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। तत्पक्ष्वात् आयोग अनारक्षित पदों पर उम्मीदवारों की अनुशंसा हेतु परीक्षा के आधार पर भरी जानी वाली अनारक्षित रिक्तियों के संदर्भ में अर्हक अंक (जो बाद में मामान्य अर्हक मानक कहलाएगा) निर्धारित करेगा। आरक्षित रिक्तियों पर अ० जा०, अ० जा० और अ० पि० व० के आरक्षित वर्गों के उम्भीदवारों को अनुशंसित करने के उद्देश्य से परीक्षा के आधार पर इन प्रत्येक वर्गों के लिए भरी जाने वाली आरक्षित

रिक्तियों के संदर्भ में आयोग सत्मान्य अर्हक मानक में छट दे सकता है।

बणतें कि अनुसूचित जाति। में, अनुसूचित जनजातिओं तथा अन्य पिछ्ने वर्गों से तंतिशित जम्भीदवार जिन्होंने परीक्षा के किसी भी स्तर पर पालतः
या चयन मानदंड में किसी भी प्रकार की रियायत
या छूट का उपभोग नहीं किया है तथा वे जम्मीदवार
जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानक के आधार
पर अनुशंसा के लिए योग्य पाए गए हैं को अनुसूचित
जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों
के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए अनुशंसित नहीं
किया जाएगा।

- (2) सेवा आवंटन के समय, अनारक्षित रिक्तियों के लिए अनुशंसित किए गए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित उम्मीदवारों को सरकार द्वारा आरक्षित रिक्तियों के तहत समायोजित किया जा सकता है यदि इस प्रक्रिया के जिरये वे अपने अधिमान के कम में उच्चतर विकल्प की सेवा को प्राप्त करते हैं।
- (3) आयोग अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की किसी कभी को ध्यान में रखते हुए अहंक मानकों को और कम कर सकता है और इस नियम के प्रावधानों से उत्पन्न आरक्षित रिक्तियों पर किसी उम्भीदवार के अधिशेष हो जाने पर आयोग, उप नियम (4) और (5) में निर्धारित हंग से अनुशंसा कर सकता है।
- (4) उम्मीदवारों की अनुशंसा करते समय, आयोग प्रथम दृष्टया सभी वर्गों में रिक्तियों की कुल संख्याका ध्यान रखेगा । अनुशंसित उम्मीदवारों की इस कुल संख्या में से अनुस्चित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उन उम्मीदवारों की संख्या को घटाया जाएगा जिन्होंने उपनियम (1) के परन्तुक के शर्तों के अनुसार पानता या चयन मानदण्ड में किसी प्रकार की रियायत या छूट प्राप्त किए बिना योग्यत। या निर्धारित सामान्य अर्हक मानक से अधिक योग्यता प्राप्त भी है। अनुशंसित उम्मीदवारों की इस सूची के साथ-साथ आयोग उम्मीदवारों की समेकित आरक्षित सूची जारी करेगा जिसमें प्रत्येक वर्गी के अन्तर्गत अंतिम अनुशसित उम्मीदवार के नीचे थोग्यता कम में रैक किए गए सामान्य तथा आरक्षित वर्गों के उम्नीदवार शामिल होंगे। इस श्रेणी के उम्मीदवारों की संख्या आरक्षित श्रेणियों के उन उम्मीदवारों की संख्या के बराबर होगी जिन्हें उपनियम (1) के परन्तुक के अनुसार पहली सूची में पात्रता में या चयन मापदण्ड में बिना किसी छूट या रियायत के शामिल किया गया। आरक्षित वर्गों में से, आरक्षित सूची में अनुसूचित

जाति, अर्नुस्चित जैन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्गी प्रत्येक के उम्बीदवारों की संख्या प्रत्येक वर्गी में प्रारम्भिक रूप से कम की गई रिक्तियों की क्रमिक संख्या के बराबर होगी।

(5) उपनियम (4) में दिए प्रावधानों के अनुसार अनुशंसित सम्मीदवार भारत सरकार द्वारा सेवाओं में आवंटित किए जाएंगे और जहां कुछ रिवितयों को अभी भी भरा जाना बाकी है वहां सरकार आयोग को इस अनुरोध के साथ मांग क्षेत्र सकती है कि वह बारक्षित सूची में से महरेक श्रेगी में रिक्त रह गई रिक्तियों को भरने के प्रशेजन से मांग की गई संख्या की बराबर उम्मीदवारों की योग्यता क्षम अनुशंसा करें।

> विनोद कुमार निदेशक

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF SECONDARY & HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 30th January, 2004

RESOLUTION

Subject: Establishment of Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing at Kancheepuram in Tamil Nadu.

- F. No. 15-1/2003-TS.I—Globalization has created uniformity in customer expectations world over. With opening up of Indian economy, our manufacturing sector has to compete globally even for the domestic market. This world require strong products with leading technology/quality and compelling cost advantage. Suitably trained manpower is critical to achieve this goal. To meet the requirement for the skill set referred to above in the field of higher science and technology particularly in design and manufacturing, the Government of India has decided to set up an Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing at Kancheepuram in Tamil Nadu.
- 2. The Institute will commence its Academic Programmes from Session 2004-05.
- 3. Admissions in the Under Graduate cources of the Institute will be done on the basis of All India Entrance Engineering Examination (AIEEE)-2004 conducted by the Central Board of Secondary Education, New Delhi.

ORDERED that a copy of the resolution be sent to Government of Tamil Nadu.

ORDERED that a copy of the resolution be sent to President's Secretariate, Prime Minister's Office and Cabinet Secretariate.

ORDERED that a copy of the resolution be sent to UGC, AICTE and CBSE.

ORDERED also that the resolution be communicated to the Press Information Bureau for giving wide publicity. ORDERED also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. S. PANDEY
Joint Secy.

The 3rd February, 2004 RESOLUTION

Subject: Establishment of Indian Institute of Information Technology, Design and Minufacturing at Jabalpur in Madhya Pradish.

No. 26-1/2003-T.S.-I Globalization has created uniformity in customer expectations world over. With opening up of Indian economy, our minufficuring sector has to compete globally even for the domestic market. This would require strong products with leading technology/quality and compelling cost advantage. Suitably trained manpower is critical to achieve this goal. To meet the requirement for the skill set referred to above in the field of higher science and technology particularly in design and manufacturing, the Government of India has decided to set up an Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing at Jabalpur in Madhya Pradesh.

- 2. The Institute will commence its Academic Programmes from Session 2004-05.
- 3. Admissions in the Under Graduate courses of the Institute will be done on the basis of All India Entrance Engineering Examination (AIEEE)-2004 conducted by the Central Board of Secondary Education, New Delhi.

ORDERED that a copy of the resolution be sent to Government of Madhya Pradesh.

ORDERED that a copy of the resolution be sent to President's Secretariate, Prime Minister's Office and Cabinet Secretariate.

ORDERED that a copy of the resolution be sent to UGC, AICTE and CBSE.

ORDERED also that the resolution be communicated to the Press Information Bureau for giving wide publicity.

ORDERED also that the resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. S. PANDAY
Joint Secy.

MINISTRY OF MINES

New Delhi the

No. 4/1/2003-MII(SM) -In the Notification of Government of India, Ministry of Mines No. 4/1/2003 dated 14th June 2003, published in Part-I, Section-I, of the Gazette of India, the Central Government hereby makes the following amendments:

- (a) In Rule 1, under the heading "Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Water Resources)," the following entry is deleted:
 - (i) "Junior Hydrogeologists (Scientist B), Group 'A'."
- (b) Other entries relating to the Post of Jr. Hydrogoologists (Scientist B), Group 'A', appearing in different Parts of the Rules as specified below are also deleted:--
 - (i) Rules 6(b)
 - (ii) Appendix II-Para 6
 - (iii) Appendix III, Para 2(1) (a) to (f)
- (c) The existing Rule 14 is substituted by the following Rule 14:--
- 14(1) After interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate. Thereafter, the Commission shall, for the purpose of recommending candidates against unreserved vacancies, fix a qualifying mark (hereinafter referred to as general qualifying standard) with reference to the number of unreserved vacancies to be filled up on the basis of the examination. For the purpose of recommending reserved category candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes against reserved vacancies, the Commission may relax the general qualifying standard with reference to number of reserved vacancies to be filled up in each of these categories on the basis of the examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or the selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

- (2) While making service allocation, the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or Backward Classes recommended against unreserved vacancies may be adjusted against reserved vacancies by the Government if by this process they get a service of higher choice in the order of their preference.
- (3) The Commission may further lower the qualifying standards to take care of any shortfall of candidates for appointment against unreserved vacancies and any surplus of candidates against reserved vacancies arising out of the provisions of this rule, the Commission may make the recommendations in the manner prescribed in sub-rules (4) and (5).
- (4) While recommending the candidates, the Commission shall, in the first instance, take into account the total number of vacancies in all categories. This total number of recommended candidates shall be reduced by the number of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who acquire the merit at or above the fixed general qualifying standard without availing themselves of any concession or relaxation in the eligibility or selection criteria in terms of the proviso subrule (1). Along with this list of recommended candidates, the Commission shall also declare a consolidated reserve list of candidates, which will include candidates from general and reserved categories ranking in order of merit below the last recommended candidate under each category. The number of candidates in each of these categories will be equal to the number of reserved category candidates who were included in the first list without availing of any relaxation or concession in eligibility or selection criteria as per proviso to sub-rule (1). Amongst the reservee categories, the number of candidates from each of the Scheduled Caste, the Scheduled Tribe and O her Buckward Class categories in the reserve list will be equal to the respective number of vacancies reduced initially in each category.
- (5) The candidates recommended in terms of the provision of sub-rule (4), shall be allocated by the Government to the services and where certain vacancies still remain to be filled up, the Government may forward a requisition to the Commission requesting it to recommend, in order of Merit, from the reserve list, the same number of candidates as requisitioned for the purpose of filling up the unfilled vacancies in each category.

VINOD KUMAR, Director

प्रयम्भल, भारत सरकार मृद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2004 PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD. AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2004